

प्रेषक,

डॉ० एम०सी० जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 09 दिसम्बर, 2014

विषय: किचन उपकरणों/बर्तनों को बदलने एवं मध्याह्न भोजन योजना के नियमित कार्यो हेतु अवमुक्त केन्द्रांश के अनुक्रम में राज्यांश की धनराशि अवमुक्त करते हुए धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान उत्तराखण्ड (मध्याह्न भोजन योजना प्रकोष्ठ) के पत्र संख्या-1263/एमडीएम-8/2014-15 दिनांक 21.11.2014 एवं पत्र संख्या-1286/एमडीएम-8/2014-15 दिनांक 27.11.2014 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसमें भारत सरकार के पत्र सं०-F.No.6-11-A/2012-EE.06(MDM-3-1) दिनांक 21.10.2014 द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश रु० 283.85 लाख एवं पत्र सं०-F.No.1-11-A/2014-EE.06(MDM-3-1) दिनांक 24.11 द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश रु० 3990.73 लाख के दृष्टिगत राज्यांश की धनराशि भी शामिल करते हुए सम्मिलित रूप से रु० 6037.02 लाख की धनराशि अवमुक्त करने का अनुरोध किया गया है। विभागीय अनुरोध के दृष्टिगत अवमुक्त केन्द्रांश के सापेक्ष अनुमन्य राज्यांश की धनराशि शामिल करते हुए संलग्नक-01 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदान-11 (सामान्य), अनुदान सं० 30(एस०सी० एस०पी०) एवं अनुदान सं० 31(टी०एस०पी०) में क्रमशः रु० 4634.23 लाख, रु० 1163.58 लाख व रु० 239.21 लाख अर्थात् कुल रु० 6037.02 लाख (रुपये साठ करोड़ सैतीस लाख दो हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्यो तथा भारत सरकार के दिशा-निर्देशों तथा स्वीकृति में दी गयी शर्तों/प्राविधानों के अधीन किया जायेगा।
- (2) वित्त विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.3.2014 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक की निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। पूँजीगत परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतु पूँजीगत पक्ष के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि का उपभोग करने से पूर्व नियमानुसार आगणन की स्वीकृति सहित वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाएगा।

94

- (4) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (5) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (6) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (7) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के सम्बन्ध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (8) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (9) व्यय सम्बन्धी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- (10) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत योजना, मानकों तथा शर्तों की अनुपालना भी सुनिश्चित की जाएगी।

02— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11, 30 एवं 31 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

03— वित्त विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 में दिये गये दिशा निर्देशों के क्रम में प्रशासकीय विभाग के स्तर से ही जारी किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,
(डॉ० एम०सी० जोशी)
सचिव।

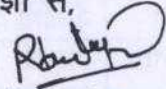
सं० /XXIV(1)/2014-14/2014 /तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।

03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. राज्य परियोजना निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना प्रकोष्ठ, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(प्रदीप मोहन नौटियाल)

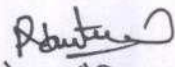
अनु सचिव।

शासनादेश सं०-1329/XXIV(1)/2014-11/2014 दिनांक-09-12-14 का संलग्नक।

(धनराशि हजार रुपये में)

| लेखाशीर्षक | | आय-व्ययक 2014-15 में कुल प्राविधानित धनराशि | स्वीकृत की जा रही धनराशि |
|--|---|---|-----------------------------|
| अनुदान संख्या-11 (सामान्य) -आयोजनागत | | | |
| 2202 | सामान्य शिक्षा | | |
| 01 | प्रारम्भिक शिक्षा | | |
| 101 | राजकीय प्राथमिक विद्यालय | | |
| 01 | केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ | | |
| 0102 | प्राइमरी शिक्षा में पोषहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम) | | |
| | 20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता | 1387288 | 463423 |
| अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0)-आयोजनागत | | | |
| 2202 | सामान्य शिक्षा | | |
| 01 | प्रारम्भिक शिक्षा | | |
| 101 | राजकीय प्राथमिक विद्यालय | | |
| 01 | केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ | | |
| 0101 | प्राइमरी शिक्षा में पोषहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम) | | |
| | 20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता | 342318 | 116358 |
| अनुदान संख्या-31 (टी0एस0पी0)-आयोजनागत | | | |
| 2202 | सामान्य शिक्षा | | |
| 01 | प्रारम्भिक शिक्षा | | |
| 101 | राजकीय प्राथमिक विद्यालय | | |
| 01 | केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ | | |
| 0101 | प्राइमरी शिक्षा में पोषहार सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम (एमडीएम) | | |
| | 20- सहायक/अनुदान/अंशदान/राज सहायता | 60000 | 23921 |
| | कुल योग (अनुदान सँ० 11 + 30 + 31) | 1789606 | 603702 |

(रुपये साठ करोड सैतीस लाख दो हजार मात्र)


(प्रदीप मोहन नौटियाल)
अनु सचिव।